

शिक्षा एवं उद्योग नगर सोनीपत का अनूठा काव्य-उत्सव

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

8वाँ कवि सम्मेलन

आमंत्रित कविगण

श्री दिनेश रघुवंशी गीतकार	डॉ. कीर्ति काले श्रृंगार रस	श्री दिनेश बावरा हास्य रस	श्री गोविंद राठी हास्य व्यंग्य	श्री अनिल अग्रवंशी हास्य कवि (मंच संचालक)

कार्यक्रम

दिनांक: 22 फरवरी 2025 शनिवार | सायं 5:00 बजे

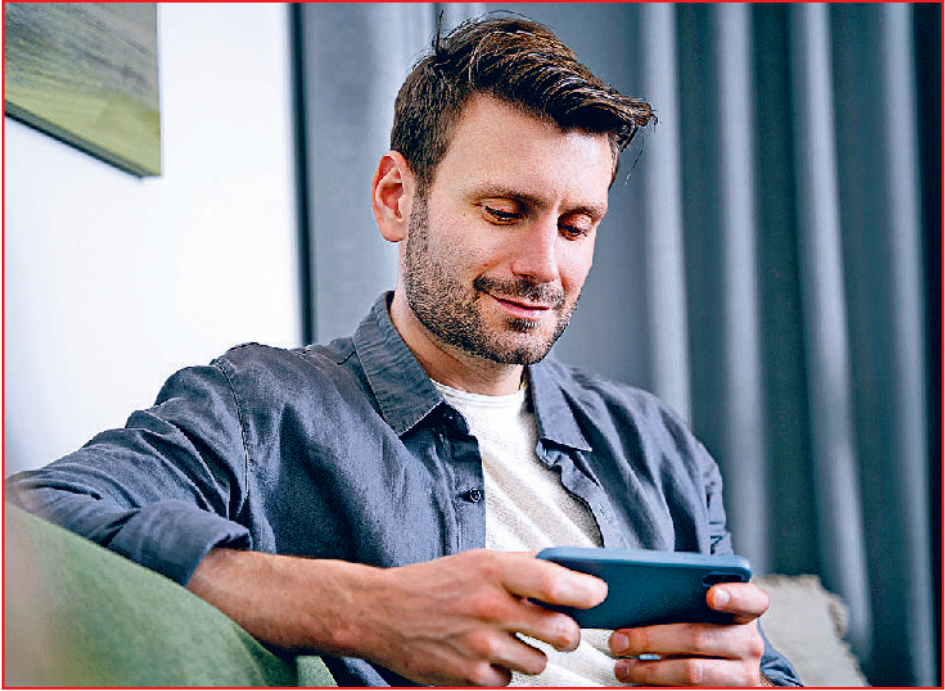
स्थान: जीवीएम गर्ल्स कॉलेज ऑडिटोरियम, मुख्यल रोड, सोनीपत

आप सभी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

Co-Sponsors

--	--	--	--	--

Associate-Sponsors



डॉक्टर एडवाइस
डॉ. हर्षल सावले
एडिशनल प्रोफेसर-सेंटर फॉर कम्प्यूटरी मेडिसिन, एम्स, दिल्ली

चाहे ऑफिस से जुड़ा काम-काज हो या करनी हो स्टेडी, ऑनलाइन शॉपिंग करनी हो या फिर अपनों के साथ चैटिंग, ऐसी अनेक एक्टिविटीज की वजह से लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ता जा रहा है। यह सेहत के लिए बहुत नुकसानदेह साबित होता है। इसकी वजह से लोगों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं घेरने लगती हैं। इनके बारे में जरूर पता होना चाहिए, ताकि इनसे बचाव किया जा सके।

सर्वाइकल स्पाइंडलाइटिस

कंप्यूटर या लैपटॉप के साथ लगातार घंटों काम करते समय अधिकतर लोगों को अपने सही पोस्चर का ध्यान नहीं रहता। टाइपिंग करते समय अकसर लोगों की गर्दन झुक जाती है, इससे उनकी गर्दन और कंधे में दर्द की समस्या होने लगती है। अगर लंबे समय तक ध्यान न दिया जाए तो इससे सर्वाइकल स्पाइंडलाइटिस की समस्या हो सकती है।

बचाव के उपाय: कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल पर टाइप



करते समय अपनी गर्दन सीधी रखें। लगातार बहुत देर तक काम न करें। हर एक घंटे के अंतराल पर बीच में उठकर पांच से दस मिनट का ब्रेक लें। इससे गर्दन में दर्द की समस्या नहीं होगी।

ओवरवेट यानी ओबेसिटी

जो लोग इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ ज्यादा वक्त बिताते हैं, उनकी शारीरिक गतिविधियां सीमित हो जाती हैं। साथ ही काम के दौरान होने वाली बेरियत को दूर करने के लिए



अधिकतर लोग बिस्किट, चॉकलेट, चिप्स, वेफर्स या जंक फूड्स जैसी अधिक कैलोरी वाली चीजों का सेवन करते हैं, इससे उनका वजन बढ़ जाता है और ओबेसिटी जैसी समस्या परेशान करने लगती है।
बचाव के उपाय: चाहे कितनी भी व्यस्तता हो, नियमित एक्सरसाइज और वॉक के लिए समय जरूर निकालें। काम के दौरान अगर बीच में हल्की भूख लगे तो मंचिंग के लिए हाई कैलोरी वाले जंक फूड के बजाय फल, भुने चने और मुरुरे जैसी चीजों का सेवन करें।

पीठ और कमर में दर्द



कंप्यूटर या लैपटॉप पर टाइप करते हुए अधिकतर लोग अपनी पीठ और कमर के सही पोस्चर का भी ध्यान नहीं रखते हैं। इसी वजह से उनकी पीठ और कमर में दर्द की समस्या होती है। लगातार एक ही मुद्रा में बैठकर काम करना या पीठ को सीधी न रखना इस समस्या की बड़ी वजह है।

स्क्रीन टाइम बढ़ने का बुरा असर आंखों पर भी बहुत अधिक पड़ रहा है। मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर या टीवी स्क्रीन के साथ ज्यादा वक्त बिताने की वजह से लोगों की आंखों की मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द महसूस होता है। स्क्रीन पर लगातार देखने के कारण पतके झपकाने का मौका नहीं मिलता, इससे आंखों की नमी सूखने लगती है। आंखों में ड्राइनेस की समस्या के कारण खुजली, जलन और लालिमा जैसी परेशानियां हो सकती हैं।
बचाव के उपाय: आंखों को स्क्रीन से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए 20: 20: 20 का फॉर्मूला अपनाएं। यानी, हर 20 मिनट के अंतराल पर 20 सेकंड का ब्रेक लेकर 20 फीट की दूरी पर रखी किसी वस्तु को

आज के दौर में मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप जैसे गैजेट्स पर बढ़ती निर्भरता के कारण हर उम्र के लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ता जा रहा है। इसका सीधा असर हमारे शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। नतीजा, कई तरह की बीमारियों के चंगुल में हम फंसे जा रहे हैं। ऐसी समस्याओं से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखें, इस बारे में बहुत जरूरी सुझाव।

कई बीमारियों की वजह बढ़ता स्क्रीन टाइम

बचाव के उपाय: चाहे आप बेड पर बैठें या कुर्सी पर आपकी पीठ हमेशा सीधी होनी चाहिए। कुर्सी टेबल पर बैठकर काम करते समय तकिए या कुशन का सहारा लेना चाहिए। इससे पीठ और कमर में दर्द नहीं होगा।

डायबिटीज-हाई ब्लडप्रेशर-कोलेस्ट्रॉल

स्क्रीन के साथ ज्यादा वक्त बिना किसी फिजिकल एक्टिविटी के बिताने वाले लोगों के शरीर में अतिरिक्त कैलोरी और फैट का संग्रह होने लगता है। इसी वजह से उनमें डायबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की आशंका भी बढ़ जाती है।
बचाव के उपाय: ची-तेल और चीनी से बने फूड आइटम्स से दूर रहें। नियमित रूप से एक्सरसाइज और वॉक के लिए समय जरूर निकालें।

कलाई और अंगुलियों में दर्द

आजकल लोग घंटों तक मोबाइल पर चैटिंग करते हैं या स्क्रीन स्क्रॉल करके रील्स देखते रहते हैं। इससे उन्हें अंगुलियों और कलाई में दर्द की समस्या भी होती है।
बचाव के उपाय: मोबाइल देखने के समय में कटौती करें, जहां तक संभव हो लोगों को टेक्स्ट मैसेज भेजने के बजाय वॉयस नोट भेजें।

अनिद्रा की समस्या

सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने और रील्स देखने की लत के कारण अधिकतर लोग देर रात तक जागते हैं, जिससे उनकी नींद पूरी नहीं होती। इससे उनमें चिड़चिड़ापन, थकान और आंखों में जलन जैसी समस्याएं भी होती हैं। नींद की

दूरी पर होना चाहिए। लैपटॉप पर काम करते समय हर 20 मिनट के अंतराल पर अपनी दोनों हथेलियां बंद पलकों पर रखें, इससे आंखों की थकान दूर होगी। बाइट लाइट का रिफ्लेक्शन सीधे स्क्रीन पर नहीं होना चाहिए। आप जिस कमरे में रहते हैं, वहां की प्रकाश व्यवस्था संतुलित होनी चाहिए।
ज्यादा तेज या बहुत हल्की रोशनी दोनों ही आंखों के लिए नुकसानदेह होती है, अपने कमरे में हमेशा मीडियम रोशनी का प्रबंध रखें। अगर आंखों में कोई तकलीफ न हो तो भी साल में एक बार आई चैकअप अवश्य कराएं।
- सर गंगाराम हॉस्पिटल, नई दिल्ली की सीनियर आई स्पेशलिस्ट डॉ. इक़्बाल लाल

आंखों के लिए भी है बहुत हार्मफुल

कोशिकाओं के विकास को रोकने में मदद मिलती है। हल्दी का पेस्ट त्वचा की जलन, खुजली, एग्जिमा और सोरायसिस जैसी समस्याओं में फायदेमंद होता है। हल्दी को दूध में मिलाकर या काढ़े के रूप में पीने से गले की खराश दूर होती है। सदीं लगने पर भी फायदेमंद होती है।
इन बीमारियों में भी है कारगर: जिन्हें लगातार अपच, एसिडिटी और पेट दर्द की शिकायत रहती है, उन्हें अदरक के साथ मिलाकर कच्ची हल्दी भूनकर चूसना चाहिए या दांतों से चबाकर उसका रस पीना चाहिए। इससे पेट संबंधी ये सारी शिकायतें खत्म हो जाती हैं। हल्दी लिवर को डिटॉक्स करने में और इसकी कार्यक्षमता को बढ़ाने में बहुत मददगार होती है। जो घाव लंबे समय से भर न रहा हो, उसमें शुद्ध शहद में हल्दी के पावडर को मिलाकर लेप करना चाहिए। डायबिटीज की समस्या में कच्ची हल्दी के रस का सेवन फायदेमंद होता है, क्योंकि यह इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाता है। हल्दी रक्त में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी नियंत्रित करती है। क्योंकि हल्दी दिमाग की सूजन को कम करती है, इसलिए यह यादाश्रत सुधारने में मददगार होती है। जिन्हें अस्थमा और ब्रोंकाइटिस की समस्या हो, उन्हें हल्दी का सेवन करना चाहिए। *

लेवल भी 12.5 से कम नहीं होना चाहिए।
कौन नहीं कर सकता रक्तदान: हेपेटाइटिस बी, सी, टीबी, लैप्रोसी, एचआईवी, अस्थमा के मरीज, दिल के मरीज रक्तदान नहीं कर सकते। यदि किसी महिला की डिलीवरी हुई हो या वह बच्चे को दूध पिला रही हो तो उसका भी रक्तदान स्वीकार नहीं होता। मासिक धर्म के दौरान, मिस कैरेंज के 6 महीने के भीतर, टैटू, पियर्सिंग करने के 6 महीने के भीतर ब्लड डोनेट नहीं किया जा सकता। वैक्सीनेशन, एंटीबायोटिक, आयुर्वेद, होम्योपैथिक दवाइयों का नियमित सेवन करने वालों को भी रक्तदान के लिए पात्र नहीं समझा जाता।
ब्लड डोनेशन के फायदे: विभिन्न अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि नियमित रक्तदान करने वालों में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। ब्लड प्रेशर में भी कमी आती है, जिससे हार्ट अटैक के खतरे कम होते हैं। यह कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों को जोखिम को भी कम करता है। रक्तदान करने से पहले बहुत सारी जांचें की जाती हैं, जिससे शरीर में किसी भी किस्म के विकार का पता चल जाता है। रक्तदान का सबसे बड़ा लाभ तो यह होता है कि मन में फील गुड आता है कि हमने समाज के लिए कुछ अच्छा कार्य किया है और हमारे रक्त से अगर किसी की जान बच जाती है तो यह भी एक पुण्य का कार्य है। *

जरूरी है। उसका वजन कम से कम 50 किलोग्राम हो और उम्र कम से कम 18 और अधिकतम 65 साल होनी चाहिए। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने पर रक्तदान कर सकता है। यदि उस व्यक्ति के घर में किसी को इमरजेंसी में रक्त की जरूरत हो तो एक महीने के बाद भी डॉक्टर उसे रक्तदान की इजाजत दे देते हैं। रक्तदान करते समय रक्त देने वाले का ब्लड प्रेशर, तापमान और नाड़ी की गति सामान्य होनी चाहिए। हीमोलेबिन

कमी के कारण स्मरण शक्ति भी कमजोर पड़ने लगती है। पाचन संबंधी समस्याएं भी परेशान करती हैं।
बचाव के उपाय: रोजाना कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें। रात को सोने से एक घंटे पहले से मोबाइल को स्विच ऑफ कर दें, लैपटॉप और टीवी स्क्रीन से भी दूर रहें। रात को सोते समय मोबाइल को बेडरूम से बाहर रखें।

सिर में दर्द
मोबाइल पर लगातार चैटिंग करने से लोगों को सिर में दर्द की समस्या भी होती है। लगातार रील्स स्क्रॉल करते रहने की आदत ब्रेन की सेहत के लिए नुकसानदेह होती है। इससे खास तरह की न्यूरोलॉजिकल समस्या होती है, जिसे ब्रेन रोट प्रॉब्लम कहते हैं। इसमें लोगों को ध्यान केंद्रित करने और सोचने-समझने की क्षमता में गिरावट आती है।
बचाव के उपाय: अपने मोबाइल में सोशल मीडिया के नोटिफिकेशन के बटन को ऑफ रखें। मनोरंजन के लिए किताबें पढ़ना या टीवी देखना ज्यादा बेहतर विकल्प हैं। इसलिए जहां तक संभव हो मोबाइल से दूर रहें।

मेटल हेल्थ पर बुरा असर

लंबे समय तक लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने और मोबाइल, लैपटॉप के साथ ज्यादा वक्त बिताने के कारण लोगों में एंज्जायटी, स्ट्रेस, उदासी और डिप्रेशन जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसा करने वाले लोग इंट्रोवर्ट और उदास रहने लगते हैं। ज्यादा रील्स देखने से सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता घटने लगती है।
बचाव के उपाय: सचेत तरीके से अपना स्क्रीन टाइम

दूरी पर होना चाहिए। लैपटॉप पर काम करते समय हर 20 मिनट के अंतराल पर अपनी दोनों हथेलियां बंद पलकों पर रखें, इससे आंखों की थकान दूर होगी। बाइट लाइट का रिफ्लेक्शन सीधे स्क्रीन पर नहीं होना चाहिए। आप जिस कमरे में रहते हैं, वहां की प्रकाश व्यवस्था संतुलित होनी चाहिए।
ज्यादा तेज या बहुत हल्की रोशनी दोनों ही आंखों के लिए नुकसानदेह होती है, अपने कमरे में हमेशा मीडियम रोशनी का प्रबंध रखें। अगर आंखों में कोई तकलीफ न हो तो भी साल में एक बार आई चैकअप अवश्य कराएं।
- सर गंगाराम हॉस्पिटल, नई दिल्ली की सीनियर आई स्पेशलिस्ट डॉ. इक़्बाल लाल

योगोपचार
दिव्यज्योति 'नंदन'

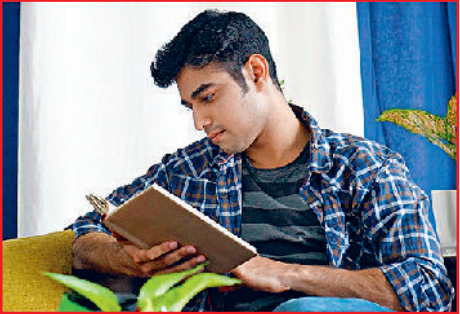
पार्श्व उपविष्ट कोणासन, जिसे अंग्रेजी में वाइड एंगल सीटेड फॉरवर्ड बेंड पोज या संक्षेप में साइड सीटेड एंगल पोज भी कहते हैं, युवाओं को सूर्य नमस्कार की तरह सबसे ज्यादा पसंदीदा आसनो में से एक है। शायद इसकी वजह यह भी है कि यह एक ऐसा आसन है, जिसे ज्यादा बूढ़े या अंधेड़ लोग मुश्किल से कर पाते हैं और बच्चों को इसे करने की जरूरत नहीं होती। इस तरह यह मूलतः युवाओं का ही आसन माना जाता है, क्योंकि इस आसन के लिए जितनी फ्लेक्सिबिलिटी की जरूरत होती है, उतनी लोच-लचक आमतौर पर युवाओं में ही आसानी से मिलती है।
इससे होने वाले फायदे: नियमित रूप से उपविष्ट कोणासन करने से कई तरह के फायदे होते हैं। इस आसन से पैरों के निचले और भीतरी हिस्से को अच्छा स्ट्रेच मिलता है, जिससे वे सुडौल और टॉड दिखती हैं। इसे करने से पेट के भीतरी अंग भी टोंड और स्टिमुलेट होते हैं। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है। शरीर को रिलैक्स और दिमाग को शांत करता है। इससे साइटिका और अर्थराइटिस की समस्या दूर होती है। इसके अभ्यास से किडनी स्वस्थ और सक्रिय रहती है। यह युवाओं के लिए विशेष रूप से सिस्स पैक एब्ज हासिल करने में मददगार होता है। यह अस्थमा से राहत दिलाता है। इससे लोअर बांडी का फैट कम होता है तथा वजन को कम करता है।
करने का सही तरीका: सबसे पहले अपने योगा मैट पर बिल्कुल सीधे होकर बैठ जाएं। अब दोनों पैरों को जितना संभव हो, एक-दूसरे के विपरीत 90 डिग्री के कोण में फैलाने की कोशिश करें। इस दौरान अपने दोनों पैरों के पंजों को आगे की तरफ झुकाए रखें और दोनों पैरों को जितना सहा जा सकता हो, उतना सीधा करें। इस अवस्था में कमर के नीचे के हिस्से में जितना झुकाव महसूस होगा, उतना ही अच्छे से यह आसन होगा।

बच्चों का भी बढ़ रहा स्क्रीन टाइम
आजकल एक-दो साल की उम्र से ही लोग रोते बच्चों को बहलाने के लिए उनके हाथों में मोबाइल पकड़ा देते हैं।



इसी वजह से उन्हें मोबाइल की लत लग जाती है और अकसर वे मोबाइल देखे बिना खाना तक नहीं खाते। ऑनलाइन क्लास और स्टडी की वजह से भी बच्चे लैपटॉप और स्मार्टफोन के साथ काफी वक्त गुजारते हैं। मोबाइल के स्क्रीन से ब्लू लाइट वैसे तो बड़ों के लिए भी नुकसानदेह होती है, लेकिन बच्चों की कोमल आंखों पर इसका ज्यादा बुरा असर पड़ता है।
बचाव के उपाय: दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को स्क्रीन से पूरी तरह दूर रखें। पांच वर्ष के बाद बच्चे मोबाइल तो देख सकते हैं, लेकिन उनका स्क्रीन टाइम 2 घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार बच्चों को सोने से एक घंटे पहले से ही स्क्रीन न देखने दें। अगर परिवार में बड़े भी यह नियम अपनाएं तो यह उनके लिए फायदेमंद साबित होगा।

घटाने की कोशिश करें। खाली समय में अकेलापन या उदासी दूर करने के लिए मोबाइल स्क्रॉल करने से बचें, बल्कि खुद को कुकिंग, बागवानी, पेंटिंग और लेखन जैसे रचनात्मक कार्यों में व्यस्त रखने की कोशिश करें। अपनों से मिलने-जुलने और बातचीत के लिए समय निकालें। ध्यान



रहे, जब भी आप किसी से मिलने जाएं, उस दौरान मोबाइल को अपने पर्स में रख दें। इससे आपके स्क्रीन टाइम में कटौती होगी और आप अपनों के साथ क्वालिटी टाइम बिता पाएंगे। अगर आप यहां बताई गई बातों का ध्यान रखेंगे तो मोबाइल और गैजेट्स के सीमित इस्तेमाल के वाबजूद आपको कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी। *

प्रस्तुति: विनीता

घरेलू औषधि / रेखा देशराज

हल्दी, भारतीय रसोई के सबसे लोकप्रिय मसालों में से एक है। लेकिन यह एक प्रभावी जड़ी-बूटी भी है। जी हां, आयुर्वेद में हल्दी के सैकड़ों तरह के औषधीय उपयोग हजारों सालों से मौजूद हैं।
त्रिदोष को करती है दूर: आयुर्वेद में हल्दी को 'त्रिदोष नाशक' माना गया है। बहुत कम ऐसी चीजें होती हैं, जिनमें वात, पित्त और कफ को संतुलित करने की क्षमता होती है। हल्दी कुछ गिनी-चुनी औषधियों में से है, जिसमें इन तीनों को संतुलित करने का गुण पाया जाता है। इसलिए हल्दी को त्रिदोष नाशक कहा जाता है।
होते हैं अनेक औषधीय गुण: जिन्हें सूजन से संबंधित परेशानियां होती हैं, जैसे गठिया आदि में अपने एंटीइंफ्लेमेट्री गुण के कारण हल्दी सूजन को कम करती है और परेशानी से राहत पहुंचाती है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं, जो शरीर को फ्री-रेडिकल्स से बचाते हैं। हल्दी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। हल्दी के सेवन से पाचन में सुधार होता है। यह गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याओं में बेहद

अवेयरनेस
डॉ. माजिद अलीम

समय-समय पर रक्तदान करना यानी ब्लड डोनेशन के बारे में आप जरूर जानते होंगे। इसमें रक्तदान आयोजित करने वाले कैंप में ब्लड ग्रुप के अनुसार ब्लड एंक्ट्रित किया जाता है और जब किसी को रक्त की जरूरत हो, तो उसे यह रक्त चढ़ाया जाता है।
प्रचलित हैं भ्रांतियां: यह बहुत हैरत की बात है कि रक्तदान करने के नाम पर हमारे समाज में कई मिथ और धारणाएं प्रचलित हैं कि रक्तदान करने से शरीर में कमजोरी आ जाती है और अपने रक्त को किसी को यूँ ही क्यों दान दे दिया जाए की सोच के चलते लोग रक्तदान करने से कतराते हैं। हकीकत में ऐसा नहीं है। रक्तदान करने का मतलब है, किसी को जीवनदान देना। रक्तदान एक ऐसा दान है, जिसे कोई भी स्वस्थ व्यक्ति कर सकता है। क्या आपको पता है कि आपके एक यूनिट रक्तदान करने से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है?
क्या है रक्तदान: रक्तदान करने से पहले रक्तदान करने वाले यानी डोनर के शरीर की कुछ विशेष किस्म की जांच की जाती है और उसके रक्त की गुणवत्ता की जांच करने के बाद ही उससे रक्तदान कराया जाता है। इसमें डोनर के ब्लड के करीब ढाई से मिलीलीटर

त्रिदोष नाशक कच्ची हल्दी



फायदेमंद है। कहीं कट-फट जाए तो हल्दी का पेस्ट ऐसे घावों और संक्रमण को तेजी से ठीक करने में मददगार होती है। दाग, धब्बों, मुहासों और त्वचा संबंधी दूसरी परेशानियों को हल्दी दूर करती है। हल्दी रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रण करने में मदद करती है। इसमें पाया जाने वाला यौगिक करक्यूमिन कैंसररोधी होता है। इसलिए हल्दी के सेवन से कैंसर

हालांकि ब्लड डोनेशन को लेकर समाज में कई तरह के मिथ प्रचलित हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि ब्लड डोनेशन से कोई नुकसान नहीं होता। इससे कई तरह के फायदे ही होते हैं। इस बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

ब्लड डोनेशन से नहीं होता किसी तरह का नुकसान

रक्त की मात्रा को मशीन की सहायता से एक बैग में जमा किया जाता है। इस बैग को परीक्षणों के बाद ब्लड बैंकों में स्टोर कर दिया जाता है और इस जमा ब्लड को मरीज की जरूरत के अनुसार दिया जाता है।
इसका रखें ध्यान: अगर आप रक्तदान करना चाहते हैं, तो इसके लिए समय-समय पर विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों द्वारा विभिन्न अस्पतालों या डिस्पेंसरीज में रक्तदान के कैंप आयोजित किए जाते हैं। जहां जाकर आप रक्तदान कर सकते हैं, इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। चिकित्सक हल्दील चेकअप के बाद आपका ब्लड लेते हैं। इसे प्रक्रिया में 10 से 15 मिनट लगते हैं।
कौन कर सकता है रक्तदान: रक्तदान करने के लिए रक्तदाता को सेहतमंद होना



जरूरी है। उसका वजन कम से कम 50 किलोग्राम हो और उम्र कम से कम 18 और अधिकतम 65 साल होनी चाहिए। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने पर रक्तदान कर सकता है। यदि उस व्यक्ति के घर में किसी को इमरजेंसी में रक्त की जरूरत हो तो एक महीने के बाद भी डॉक्टर उसे रक्तदान की इजाजत दे देते हैं। रक्तदान करते समय रक्त देने वाले का ब्लड प्रेशर, तापमान और नाड़ी की गति सामान्य होनी चाहिए। हीमोलेबिन



खबर संक्षेप

विकास कार्यों को समय पर पूरा करें : उपायुक्त

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला में डीप्लान के तहत करवाएं जा रहे विकास कार्यों को समय सीमा में पूरा करवाने के तुरंत बाद उस कार्य से संबंधित बिल एंडीसी कार्यालय में जमा करवाएं ताकि उसकी राशि जारी की जा सके। उन्होंने कहा कि इस कार्य में संबंधित अधिकारी किसी प्रकार की ढिलाई न बरतें। कहा कि संबंधित कार्यों के बिल अधिकारी 28 तक जमा करवाएं अन्यथा उसके लिए अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होगा।

धान चोरी का आरोपित तीन दिन के रिमांड पर

सोनीपत। बहालगढ़ थाना सोनीपत पुलिस ने गाड़ी से धान चोरी करने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित जोगिंद्र नवासी जौरासी खालसा पानीपत का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपित से पूछताछ की जा रही है। असंलग्न सनसाइन काउंटी निवासी राजेश ने गत 13 जनवरी को पुलिस से शिकायत दर्ज करवाई थी।

सेक्टर-23 से क्रेटा कार डेबिट कार्ड ले उड़े चोर

सोनीपत। शहर थाना क्षेत्र के सेक्टर-23 से चोर क्रेटा कार, डेबिट कार्ड सहित कागजात के चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मौके का मुआयना कर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस चोरों की तलाश के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग सुराग हाथ लग सके।

दुष्कर्म व धमकी देने का आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। शहर थाना सोनीपत पुलिस ने लड़की से दुष्कर्म करने व धमकी देने के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित सन्नी निवासी वेस्ट राम नगर सोनीपत का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। लड़की ने गत 21 जनवरी को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वर्ष 2019 में उसकी मुलाकात सन्नी के साथ हुई थी। सन्नी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके बाद उसे धमकी देने लगा था।

घर के अंदर घुसकर पीटकर किया घायल

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र के गांव बैयापुर में महिला व उसके बेटी सहित पुत्रवधु से मारपीट कर घायल करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप का मामला सामने आया है। महिला ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।

मकान का कब्जा नहीं दिए जाने का आरोप

खरखौदा। बरोना गांव निवासी ने मकान खरीदने के बाद बचने वालों पर मकान का कब्जा नहीं दिए जाने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि अब अन्य पक्ष आकर भी उसी मकान को खुद खरीद लिए जाने की बात कह रहा है। राजेंद्र की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। राजेंद्र का कहना है कि उसने 175 वर्ग गज का एक मकान खरीदा था, जिसकी पेमेंट देने के बाद भी उसे कब्जा नहीं दिया गया, शिकायत करने पर पुलिस ने आरोपितों को कब्जा देने को कहा, इस दौरान भी बात होने पर उसने डेढ़ लाख रुपये और दिए, साढ़े 15 लाख दिए जाने के बाद अब तक कब्जा नहीं मिल पाया।

अलग-अलग स्थानों पर बुजुर्ग व युवक की मौत

सोनीपत। सोनीपत-गोहाना-जींद रेलवे लाइन में ट्रेन की चपेट में आने से अलग-अलग स्थानों पर बुजुर्ग व युवक की मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची राउकोय रेलवे पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां बुजुर्ग के शव की शिनाख्त होने के बाद पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

इंडियन मॉडर्न स्कूल में भव्य सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया

आज के युग में ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति : डॉ. अनिता सिंह

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सोनीपत

इंडियन मॉडर्न स्कूल में भव्य सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। जिसका थीम ‘ज्ञान उत्सव’ रखा गया। यह आयोजन विद्यालय प्रांगण में उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया, जिसमें छात्रों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. अनिता सिंह ने दीप प्रज्वलित करके मां सरस्वती आशीर्वाद लिया।

विद्यालय प्राचार्य राजेन्द्र गाहल्याण ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि “ज्ञान ही व्यक्ति को सशक्त बनाता है, और इस उत्सव के माध्यम से हम ज्ञान के विविध रूपों को प्रदर्शित कर रहे हैं। छात्रों ने इस अवसर पर नृत्य, संगीत, नाटक तथा अन्य कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से ज्ञान और शिक्षा के महत्व को दर्शाया। ‘ज्ञान उत्सव’ की झलक दिखाने के लिए विभिन्न कला, विज्ञान, साहित्य, महाभारत-दृश्य आदि प्रदर्शन से संबंधित गतिविधियां आयोजित की गईं।

मुख्य अतिथि डॉ. अनिता सिंह रहीं, उन्होंने अपने संबोधन में छात्रों को सतत सीखने और नवाचार के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के युग में ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति, इस तरह के आयोजनों से बच्चों को सीखने की नई प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर

छात्रों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया



सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

फोटो :हरिभूमि

भाषण प्रतियोगिता में नीरज अक्वल, वंश द्वितीय रहे

सोनीपत। छोट्टराम आर्य महाविद्यालय सोनीपत में इतिहास विभाग द्वारा शहीद भगत सिंह के राष्ट्र निर्माण में योगदान पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। जिसमें प्रथम स्थान नीरज, द्वितीय स्थान वंश आर्य तथा तृतीय स्थान मोहित ने प्राप्त किया और सात्वना पुरस्कार अमन बीए प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता ने निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. उषा दहिया, डॉ. अनु राठी व डॉ. उर्मिल हुड्डा ने निभाई। विजेताओं को डॉ. जितेन्द्र फोर द्वारा पुरस्कृत किया। इतिहास विभाग से प्रो. सतीश राठी व डॉ. पंकी व डॉ. सुशीला उपस्थित रहे।

सतत सीखने और नवाचार के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के युग में ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति, इस तरह के आयोजनों से बच्चों को सीखने की नई प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर



खरखौदा। विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित करते सुमन दहिया।

जेबीएच स्कूल में वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

खरखौदा। दिल्ली मार्ग पर स्थित जेबीएच स्कूल में वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसकी विषय वस्तु इंटरनेट के लाभ-हानि से अवगत कराना था। इसमें कक्षा तीसरी, चौथी और पांचवीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने विषय के पक्ष और विपक्ष में अपने विचार व्यक्त किए। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के प्रभावों पर अपने विचार प्रस्तुत करना था। स्कूल प्राचार्य सुमन दहिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग हमें जागरूक करने और शिक्षित करने के लिए किया जाना चाहिए, ना कि एकाकीपन की बढ़ावा देने के लिए। इस प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी से अंश और कक्षा पांचवीं से आशीष की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता विद्यार्थियों को सुमन दहिया ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस मौके पर कविता पांजाल, कविता गर्ग, प्रीती दहिया, वंदना दहिया, पलक शुक्ला, मंजू दहिया आदि अध्यक्षक गण मौजूद रहे।

विद्यालय शिक्षकों, अभिभावकों व छात्रों की सक्रिय भागीदारी ने उत्सव को और भी मनोहर बना दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधक नीरम गाहल्याण ने सभी को धन्यवाद किया।

आंगनबाड़ी वर्कर्स का रोष प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सोनीपत

आंगनबाड़ी वर्कर एंड हेल्पर यूनियन के बैनर तले वर्कर्स ने सोनीपत में जिला कार्यक्रम अधिकारी के ऑफिस बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। कामरेड श्रद्धानंद सोलंकी की देखरेख में प्रदर्शन की अध्यक्षता उषा ने की और संचालन सोना देवी ने किया। सरकार बहुत ही कम वेतन में आंगनबाड़ी वर्करों से बहुत ज्यादा काम लेने का कार्य कर रही है सरकार द्वारा वर्करों को 3जी के फोन देकर 5जी वाले नेटवर्क का काम करवाना चाहती है। पोषण ट्रेक्टर द्वारा फेस कैपचरिंग का कार्य सेनेटरी नैपकिन आदि कामों को लेकर वर्करों पर बहुत ज्यादा दबाव विभाग द्वारा बनाया जा रहा है।



सोनीपत। आंगनवाड़ी वर्कर्स विरोध प्रदर्शन करते हुए।

फोटो :हरिभूमि

सरकार सेंटर्स का किराया ईंधन का पैसा बहुत कम दे रही है और सेंटर विभाग को अच्छी फैसिलिटी वाले चाहिए। समय पर मानदेय नहीं दिया जा रहा जोकि न्यूनतम वेतन से बहुत ही कम है। सरकार महिलाओं का शोषण बंद करें और धरातल पर पोषण कुपोषित हो चुका है। विभाग द्वारा हमारी मांगो का कोई ठोस समाधान नहीं निकला और टर्मिनेट

वर्करों का बकाया मानदेय जारी नहीं किया गया तो मजबूरन 11 मार्च आंगनवाड़ी वर्कर्स हेल्प्स यूनियन डायरेक्टर ऑफिस पर एक दिन का प्रदर्शन करेंगे। इस मौके पर सुनीता, कविता, मंजू, बबीता, अनीता, शीला, कृष्णा, संतोष, सुशीला, उषा, शकुंतला, दर्शन, मोना, कविता, सुरेश, बाला, ललिता, सरोज आदि मौजूद रही।

जाट भवन के 5वें तल का निर्माणकार्य प्रारंभ

गोहाना। शहर के सेक्टर सात में तैयार हो रहे जाट भवन के 5वें तल का निर्माणकार्य बुधवार हो शुरू कर दिया गया। भवन की इस पांचवीं मंजिल का निर्माण गांव धनाना स्थित सतलोक आश्रम कमेटी द्वारा करवाया जाएगा। पिछले दिनों आश्रम कमेटी द्वारा भवन की यह मंजिल बनवाने की घोषणा की गई थी। पूरी मंजिल सेंट रामपाल के नाम से बनेगी। जाट भवन कमेटी द्वारा सेक्टर सात में जाट भवन तैयार करवाया जा रहा है। सतगुरु रामपाल से आझा लेकर दिसंबर 2024 में सतलोक आश्रम की कमेटी संत वीरेंद्र पाल के नेतृत्व में जाट भवन का निरीक्षण करने पहुंची थी। आश्रम कमेटी ने जाट भवन की कमेटी के सामने आश्रम कमेटी ने प्रस्ताव रखा कि यहां पर सतगुरु रामपाल के नाम से जाट भवन में पूरे एक मंजिल बना दी जाएगी। भवन कमेटी के इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। बुधवार को संत रामपाल के दो बेटे वीरेंद्र और मनोज, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली व भाजपा जिला उपाध्यक्ष इंद्रजीत विरमाना द्वारा भवन की उक्त मंजिल का निर्माणकार्य शुरू करवाया। इस अवसर पर डॉ. कपूर नचवाल, नरेंद्र गहलवाल, संतराज भाग, विनोद सहरावार, रणबीर चहल, संजय दूहन, संजय मलिक आदि मौजूद रहे।



गोहाना। अतिथियों का फूलों की मालाओं से स्वागत करते जाट भवन कमेटी के प्रतिनिधि।

फोटो :हरिभूमि



सोनीपत। अर्धनग्न होकर विरोध प्रदर्शन करते सफाई कर्मी।

फोटो :हरिभूमि

सोनीपत : ठेका सफाईकर्मियों ने अर्धनग्न होकर निकाला जुलूस

■ सरकार-निगम प्रशासन से की चार महीने से बकाया वेतन देने की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सोनीपत

नगर पालिका कर्मचारी संघ सोनीपत इकाई के आह्वान पर ठेका सफाई कर्मियों ने बुधवार दोपहर अर्धनग्न होकर शहर में जुलूस निकाला। उन्होंने सरकार व निगम प्रशासन से चार माह से बकाया वेतन की मांग की। उनका आरोप है कि वेतन न मिलने से फाइनर्सों ने उन्हें तंग करना शुरू कर दिया है। बच्चों को स्कूलों से बाहर किया जा रहा है। दुकानदारों ने सामान देना बंद कर दिया है। जिला प्रधान राजाभाई ने बताया कि सफाई का टेंडर खत्म होने के बाद उन्हें सूचना तक नहीं दी गई थी। पश्चिमी क्षेत्र के साथ पूर्वी क्षेत्र में भी 27 अगस्त 2024 को टेंडर खत्म होने के बावजूद निगम प्रशासन की तरफ से उनसे काम लिया गया। काम के बदले उन्हें

वेतन जारी नहीं किया है। चार माह का वेतन बकाया है। अधिकारियों को बार-बार शिकायत करने पर सुनवाई नहीं हो रही है। इकाई प्रधान भारत कंडेरा ने बताया कि पिछले महीने नगर निगम के सचिव सफाई कर्मियों ने हड़ताल की थी। निगम आयुक्त शिवित कुमार के आश्वासन पर उन्होंने 22वें दिन हड़ताल को संपन्न किया था। उस समय उन्हें आश्वासन दिया गया था कि 5 फरवरी तक एक माह का वेतन दिया जाएगा। 15 फरवरी तक बकाया सारा वेतन दिया जाएगा। उसके बाद भी आज तक उन्हें वेतन जारी नहीं किया गया है। जिससे ठेका सफाई कर्मियों की परेशानी बढ़ गई है।

ये रहे मौजूद

इस दौरान इकाई सचिव अनिल, युधिष्ठिर, राहुल, मुकेश कर्मा, सुनील, हरिदर्शन, दीपक, अमित, विजेंद्र, राकेश, अजीत, रिकू भी मौजूद रहे।

मार्केट न्यूज़

हृदय और फेफड़ों के 65 रोगियों का किया मूल्यांकन

वेंकटेश्वर अस्पताल द्वारा अभिषेक मेमोरियल अस्पताल में लगाया गया शिविर

सोनीपत। वेंकटेश्वर अस्पताल, हारका दिल्ली द्वारा गोहाना स्थित अभिषेक मेमोरियल अस्पताल में निःशुल्क कार्डियोलॉजी, फेफड़े और स्वास्थ्य मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, कार्डियोलॉजी स्क्रीनिंग, कार्डियोलॉजी, सीटीवीएस विशेषज्ञ और पल्मोनोलॉजी परामर्श के साथ-साथ पोषण संबंधी सलाह भी शामिल थी। मूल्यांकन में ईस्टीजी निगरानी, रक्त शर्करा माप, बोपी माप, बाँड़ी मास इंडेक्स (बीएमआई) शामिल थे। इसके अलावा बीएमडी और पीएफटी भी किया गया। हृदय और फेफड़ों से संबंधित समस्याओं के लिए 65 रोगियों का मूल्यांकन किया गया, उन्हें सलाह दी गई। इस दौरान वेंकटेश्वर अस्पताल के प्रवक्ता ने बताया कि किसी भी सार्वजनिक पहल और सामुदायिक सेवा में सहभागिता प्रदान करने में वेंकटेश्वर अस्पताल केशा अग्रणी रहा है। इस परंपरा को जारी रखते हुए इस शिविर का आयोजन किया। चिकित्सकों की टीम में डॉ. राकेश चतुर् (सीटीवीएस सर्जन), डॉ. वरुण गुप्ता (हृदय रोग विशेषज्ञ) और डॉ. गौरव मलिक (पल्मोनोलॉजिस्ट) के साथ-साथ वेंकटेश्वर अस्पताल, हारका दिल्ली और अभिषेक मेमोरियल अस्पताल, गोहाना के स्वयंसेवक, नर्स और ईसीजी तकनीशियन शामिल रहे।



सोनीपत। आर्यन दहिया का स्वागत करते प्राचार्य एवं अन्य।

राष्ट्रीय खेलों में आर्यन का शानदार प्रदर्शन

सोनीपत। देहरादून में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन कर शानदार प्रदर्शन कर लौटे लिटल एंजल्स स्कूल के खिलाड़ी आर्यन का स्कूप पहुंचने पर स्वागत किया गया। यह प्रतियोगिता 7 से 13 फरवरी तक आयोजित की गई। जिसकी हरियाणा नेटबॉल, ट्रेडिशनल नेटबॉल, फास्ट फाइव नेटबॉल, मिक्सड नेटबॉल स्पर्धा में हरियाणा की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। आर्यन ने हरियाणा टीम में खेलते हुए दो स्वर्ण पदक जीत प्रदेश व स्कूल का नाम रोशन किया। लिटल एंजल्स स्कूल के खिलाड़ी आर्यन दहिया ने हरियाणा टीम में खेलते हुए दो स्वर्ण पदक प्राप्त कर शानदार जीत हासिल की। इसी दौरान ट्रेडिशनल खेलों का आयोजन हुआ, जिसमें हरियाणा ने स्वर्ण पदक जीते व फास्ट फाइव नेटबॉल में भी स्वर्ण पदक प्राप्त किए। आर्यन दहिया ने दोनों ही इवेंट में बेहतरीन प्रदर्शन कर शानदार जीत हासिल की। आर्यन दहिया का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। विद्यालय के चेयरमैन तरसेन कुमार गर्ग, सचिव डॉ. विशाल गर्ग, प्रधानाचार्य आशा गोयल व उप प्रधानाचार्य गीता अरोड़ा ने आर्यन दहिया को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई दी।

न्यायालय श्री अधिमन्यू नायब नहसीलदार एवं सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी गोहाना। केस नं.: 47/एन.टी., तिथि दायरा : 07.10.2020 तिथि पेसी : 19.03.2025 किस्म मुकदमा : दुरुस्ती गिरदावारी मौजा : गोहाना नयर्सह आदि ...पक्ष अक्वल

न्यायालय श्री अधिमन्यू नायब नहसीलदार एवं सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी गोहाना। केस नं.: 47/एन.टी., तिथि दायरा : 07.10.2020 तिथि पेसी : 19.03.2025 किस्म मुकदमा : दुरुस्ती गिरदावारी मौजा : गोहाना नयर्सह आदि ...पक्ष अक्वल

नोटिस बानाम फरीक दोयमन्यू नायब नहसीलदार एवं सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी गोहाना। केस नं.: 47/एन.टी., तिथि दायरा : 07.10.2020 तिथि पेसी : 19.03.2025 किस्म मुकदमा : दुरुस्ती गिरदावारी मौजा : गोहाना नयर्सह आदि ...पक्ष अक्वल

